

केशव माधव गोविन्द बोल

बोल हरी बोल हरी हरी हरी बोल
केशव माधव गोविन्द बोल

नाम प्रभु का है सुख कारी
पाप कटे गे शन में भारी
कुंडी अपने मन की खोल
केशव माधव गोविन्द बोल

लख चोरासी में भरमाया
मुस्किल से ये नर तन पाया
मुख बंदे नैना खोल
केशव माधव गोविन्द बोल

नरसी भगत की हुंडी तारी
बन गयो शावल शाह बनवारी
क्यों भटके घर घर में ढोल
केशव माधव गोविन्द बोल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16983/title/keshav-madhav-govind-bol>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |